Confederation of Indian Industry

मेक इन इंडिया के लिए डिजाइन एंड क्रिएटीविटी' को दें नई उड़ान

- सीआइआइ/ मैनेजमेंट गुरु पद्मश्री प्रो. शोजी शीबा ने उद्यमियों को दिए टिप्स

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : मैन्युफैचरिंग के मायने सिर्फ किसी उत्पाद का निर्माण करना ही नहीं बल्कि डिजाइन, मार्केटिंग और बिजनेस की ग्रोथ भी है ये लक्ष्य भी इसी से जुड़े हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेक इन इंडिया' की पहल कर चुके हैं। इसे सार्थक बनाने के लिए उद्यमियों को उत्पाद निर्माण में डिजाइन और क्रिएटीविटी को नई उड़ान देनी होगी। उन्हें अब तक की हर सोच से आगे सोचना होगा। लघु और मध्यम इकाइयों -एसएमइज के लिए तो यह विकास का सेतु साबित हो सकता है।

यह प्रतिक्रिया जाने-माने मैनेजमेंट विशेषज्ञ और मैन्यफैक्चरिंग डिजाइन के गुरु पद्मश्री प्रो. शोजी शीबा ने वीरवार को यहां सीआइआइ में मीडिया से रूबरू होते हुए कहे।

प्रो. शीबा ने कहा कि बीते 12 साल में भारतीय उद्योग में काफी बदलाव आया है और वह ग्लोबल स्पलायर के रूप में अब अपनी साख बनाने की दिशा में बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया अभियान भी गुणवत्ता और इनोवेशन का लक्ष्य लिए हैं, इसे स्वीकारकिया जाना चाहिए।

सीआइआइ में पद्मश्री प्रो. शोजी शीबा मीडिया से बातचीत करते हुए।

उद्यमियों को नई उड़ान पर ले जा जाएंगे ये बदलाव

प्रो. शीबा ने कहा कि विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा और उत्पाद निर्माण में नए गुणवत्तापरक व उन्नत उत्पादों के लिए सबसे पहले माइंड सेट बदलने की जरूरत है, सोच के बदलाव से ही रचनात्मकता का विकास और विस्तार हो सकेगा। उन्होंने माना कि जापान के मुकाबले भारतीय उद्यमियों को अभी कई मंजिलें तय करनी हैं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक आधार लेकर स्थितियों और नए बदलाव को आंके तो एक साल में आपको काफी कुछ अलग मिलेगा।

स्मार्ट और क्रिएटिव वर्क बिना नहीं गुजारा

प्रो. शीबा ने कहा, कि जापान, अमेरिका और चीन में उत्पादों की गुणवत्ता और डिजाइन को लेकर तीव्रतम प्रतिस्पर्धा है। भारत में गुणवत्ता और डिजाइन में नए बदलाव का दौर शुरू है। उन्होंने कहा कि बीते 11 सालों से वह जापानी और भारतीय कंपनियों के बीच मैन्युफैक्चरिंग को लेकर काफी जागरूकता कार्यक्रम व बिजनेस प्रोजेक्टों में भाग ले चुके हैं। प्रो .शीबी ने आज सीआइआइ द्वारा आयोजित वीजनरी लीडर्स फार मैन्युफैक्चरिंग प्रोग्राम (वीएलएफएम) - 2016-17 के तहत सीआइआइ के आडिटोरियम में 200 से ज्यादा उद्यमियों और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र के विशेषज्ञों को नए बदलाव और रचनात्मकता के विस्तार के लिए प्रेरित किया।